

पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग उत्तर प्रदेश

अयोध्या, काशी व मथुरा की तर्ज पर होगा संकिसा, बौद्ध सर्किट का समग्र एवं
सुनियोजित विकास

—श्री केशव प्रसाद मौर्य

पाली शोध संस्थान, विशाल विपश्यना केंद्र की स्थापना के साथ संकिसा मार्ग को
बनाया जाएगा फोरलेन

— उप मुख्यमंत्री

भगवान बौद्ध के पावन अवशेषों को रूस ले जाने वाले दल का नेतृत्व करना मेरे
जीवन का परम सौभाग्य

—श्री केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ : 26 अक्टूबर, 2026

उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने जसराजपुर संकिसा जनपद मैनपुरी में आयोजित अभिधम्म दिवस महोत्सव को संबोधित करते हुए कहा कि संपूर्ण मानवता को करुणा, दया, अहिंसा और शांति का अमर संदेश देने वाले तथागत भगवान बुद्ध केवल भारत ही नहीं बल्कि समूचे विश्व में आराध्य एवं वंदनीय हैं। उन्होंने कहा कि भारत भूमि पर भगवान बौद्ध से जुड़े आठ प्रमुख पावन तीर्थ स्थलों में संकिसा का एक अत्यंत विशिष्ट, ऐतिहासिक और गौरवशाली स्थान है। उन्होंने इस पावन धरा, यहां के निवासियों को सादर नमन करते हुए देश-विदेश से पधारे सभी पूज्य भंतेगणों, उपासकों और बुद्ध अनुयायियों का हृदय से स्वागत एवं अभिनंदन किया। उन्होंने संकिसा में पाली शोध संस्थान एवं विपश्यना ध्यान केंद्र की स्थापना की मांग पर स्पष्ट करते हुए कहा कि यह जनता के लिए कोई माँग का विषय नहीं बल्कि उनका स्वाभाविक अधिकार है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि मैनपुरी और फर्रूखाबाद दोनों जनपदों के समन्वय से संकिसा के समग्र विकास के लिए एक सुनियोजित एवं विस्तृत कार्य-योजना तैयार की जायेगी। उन्होंने कहा कि इस पावन स्थल के विकास के लिए जनता ने जितनी अपेक्षाएं रखी हैं, सरकार उन अपेक्षाओं से कहीं आगे बढ़कर कार्य धरातल पर उतारने का प्रयास करेगी ताकि संकिसा की वैश्विक पहचान और अधिक सुदृढ़ हो सके।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी वर्तमान समय में तथागत भगवान बुद्ध के सबसे बड़े अनुयायी के रूप में कार्य कर रहे हैं, उन्होंने यह सिद्ध करके दिखाया है। उन्होंने कहा कि विश्व के सबसे बड़े मंच संयुक्त राष्ट्र संघ से पूरी दुनिया को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने गौरव के साथ कहा था कि भारत ने संसार को युद्ध और अशांति नहीं दी बल्कि पूरे विश्व को तथागत भगवान बुद्ध का शांति मार्ग दिया है। उन्होंने स्वयं को उसी वंश परंपरा से जुड़ा बताते हुए अत्यंत गौरव प्रकट किया, जिसमें महान सम्राट अशोक जैसे शासक हुए, जिन्होंने बौद्ध धर्म के कल्याणकारी विचारों का विस्तार भारत ही नहीं बल्कि समूचे विश्व में किया। उन्होंने कहा कि उस कालखंड में सम्राट अशोक के

शासन का इतना व्यापक विस्तार इसलिए हुआ क्योंकि वह सबका साथ, सबका विकास की मूल भावना पर आधारित था, आज लोकतांत्रिक भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी उसी मार्ग पर चलकर बिना किसी भेदभाव के समाज के हर वर्ग के उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि देशवासियों के अंतर्मन में किसी प्रकार का विरोधाभास नहीं होना चाहिए, क्योंकि हमारे लिए भगवान श्री राम और तथागत भगवान बौद्ध दोनों ही समान रूप से पूज्य और अपनी साझी सांस्कृतिक धरोहर हैं। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार डबल इंजन की सरकार ने अयोध्या में भव्य श्री राम जन्मभूमि स्थल का विकास किया है, उसी प्रकार संकिसा सहित उत्तर प्रदेश, बिहार और आंध्र प्रदेश में स्थित सभी बौद्ध तीर्थ स्थलों का सर्वांगीण विकास किया जाएगा। उन्होंने विश्वास दिलाया कि जैसे अयोध्या, मथुरा, काशी और प्रयागराज का कायाकल्प हो रहा है, ठीक उसी तर्ज पर बौद्ध तीर्थ स्थलों के विकास के लिए सरकार के पास स्पष्ट रोडमैप और दृढ़ इच्छाशक्ति मौजूद है। बौद्ध सर्किट के अंतर्गत चल रहे विभिन्न विकास कार्यों की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि उनके गृह जनपद कौशांबी में एक विशाल विपश्यना केंद्र का निर्माण कार्य तीव्र गति से चल रहा है, इसके अतिरिक्त कुशीनगर में अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का संचालन शुरू होने के साथ ही विश्व स्तरीय अवस्थापना सुविधाएं जुटाई गई हैं, श्रावस्ती और सिद्धार्थनगर के पिपरहवा स्तूप क्षेत्र में भी बड़े पैमाने पर पर्यटन विकास के कार्य कराए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि जहां भगवान बुद्ध को ज्ञान प्राप्त हुआ था, उस बिहार के बोधगया का विकास भी श्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार में तेजी से आगे बढ़ रहा है, बोधगया के उपरांत अब सारनाथ, जहां तथागत बुद्ध ने अपना प्रथम उपदेश दिया था, उसे भी यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर सूची में सम्मिलित किया गया है, जो हम सभी के लिए अत्यंत हर्ष और गौरव का विषय है।

इस अवसर पर राज्यसभा सांसद, अनुसूचित मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवेश कुमार राम, हरदोई सांसद अशोक रावत, हाथरस सांसद, पूर्व राज्यमंत्री अनूप वाल्मीकि, अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान के सदस्य तरुनेश, महोत्सव के आयोजक सुरेश चंद्र बौद्ध, ग्लोबल बुद्धिस्ट फोरम के सुब्रतो बरुआ, यूथ बुद्धिस्ट सोसाइटी ऑफ इंडिया (वाईबीएस) के समस्त पदाधिकारी, पूर्व सांसद, रघुराज शाक्य, पूर्व विधायक, ममतेश शाक्य, पैक्सफेड के चेयरमैन प्रेमसिंह शाक्य, क्षेत्रीय मंत्री वीरेंद्र शाक्य, अनुसूचित मोर्चा के क्षेत्रीय अध्यक्ष विशाल वाल्मीकि, राज्य महिला आयोग की सदस्य प्रतिभा कुशवाहा, जापान से विशेष रूप से पधारे पूज्य भंते सहित विभिन्न क्षेत्रों से आए वरिष्ठ उपासक, प्रबुद्ध नागरिक, पूज्य भिक्षुगण आदि उपस्थित रहे।

सम्पर्क सूत्र— बी0एल0 यादव

राम यतन/07:30 PM

फोन नम्बर Direct : 0522-2239023 ई0पी0बी0एक्स0 : 0522-2239132,33,34,35 एक्सटेंशन : 223 224 225

फैक्स नं0 : 0522-2237230 0522-2239586 ई-मेल : upssoचना@gmail.com,

वेबसाइट : www.information.up.gov.in

